

## स्वतंत्रता दिवस (15-08-2023)

### अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद का संबोधन

उपस्थित साथियों, सुरक्षा कर्मियों, क्षेत्रीय नियामक केंद्रों और विभिन्न साइटों पर नियुक्त निरीक्षक एवं पर्यवेक्षक, एस.आर.आई. में नियुक्त साथियों, कैंटीन तथा हाउसकीपिंग स्टाफ ;

सुप्रभात एवं 77वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों, कुछ नामी एवं बहुत से गुमनाम, की वीरता एवं बलिदान से यह स्वतंत्रता मिली है। “लहू वतन के शहीदों का रंग लाया है, उछल रहा है जमाने में नाम ए वतन आजादी” , तो सर्वप्रथम उन तमाम शहीदों को नमन एवं श्रद्धांजलि । “शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर वर्ष मेले, वतन पर मर मिटनेवालों का बाकी यही निशां होगा” । इस जज्बे के साथ भारत की जल, थल, और नभ सीमाओं की रक्षा में लगे सभी जवानों को नमन एवं हार्दिक शुभकामनाएं। एक स्वतंत्र देश के रूप में, हमारे दूरदर्शी नेताओं ने, जीवन के सभी क्षेत्रों में सामाजिक सद्भाव, समावेशिता और लोगों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देकर राष्ट्र के प्रारब्ध को नया आकार देने के लिए कई उपाय और पहल की हैं।

आजादी के अमृत महोत्सव की अधिकारिक यात्रा की शुरुआत 12 मार्च 2021 से हुई तथा उसकी परिणति भी आज 15 अगस्त, 2023 को है। इस कारण से भी आज के स्वतंत्रता दिवस समारोह का विशिष्ट महत्व है। आजादी के अमृत

महोत्सव के हिस्से के रूप में सरकार ने इस वर्ष का विषय, 'राष्ट्र प्रथम, सर्वदा प्रथम' ('Nation First, Always First') घोषित किया है।

आज जब हम सभी नई ऊंचाइयों और सफलता प्राप्त करने के लिए ओजस्वी देशभक्ति और जुनून से भरे इस महत्वपूर्ण दिन का जश्न मना रहे हैं, तो मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि आत्मनिरीक्षण करें और मूल्यांकन करें कि क्या हमने अपनी दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों में स्वतंत्रता के सच्चे सिद्धांतों को शामिल किया है ?

स्वतंत्रता के महत्व को समझने के लिए स्वच्छंदता और स्वतंत्रता का अर्थ समझना जरूरी है। स्वच्छंदता नियंत्रणहीन, मनमाना व्यवहार है, जो अराजकता का कारण बन सकता है। जबकि, स्वतंत्रता संविधान के भीतर निहित है, और जिम्मेदारी आजादी की कीमत है। यह एक सर्वमान्य तथ्य है। अतः एक सच्चे नागरिक और कर्मचारी के संवैधानिक कर्तव्यों का जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन ही देश की स्वतंत्रता को सुरक्षित रखने में और राष्ट्र के विकास में सच्चा योगदान है। इसी योगदान का प्रण हम हर वर्ष इस पावन दिवस पर दोहराते हैं।

आप सभी ने अंतर्राष्ट्रीय खेलों के पुरस्कार वितरण समारोह का प्रसारण देखा होगा। जब किसी भारतीय को मेडल पहनाया जाता है तो साथ ही पार्श्व में देश का तिरंगा, राष्ट्रगान की धुन पर मदमस्त लहराते हुए उपर उठते दिखता है। यह देखकर गर्व की अनुभूति के साथ ही एक भावनात्मक अनुभूति, जो आंखे

नम कर देती है, होती है। आप सभी को भी यह अनुभव हुआ होगा। कहीं न कहीं यह अनुभूति हमारे देशप्रेम से जुड़ी है।

एईआरबी में किया गया हर कार्य किसी न किसी रूप में देश की प्रगति में सहायक है। अतः अपने कार्य को जिम्मेदारी पूर्वक सुचारु रूप से करने की प्रेरणा हमें लहराते तिरंगे के उपर उठते हुए दृश्य से लेना चाहिए , क्योंकि ' राष्ट्र प्रथम, सर्वदा प्रथम' ('Nation First, Always First') है।

एईआरबी ने अपने आपको समयानुसार विकसित किया है। आज परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद की एक अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त और परिपक्व नियामक के रूप में मान्यता है।

पिछले वर्ष संपन्न हुई IAEA-IRRS follow-up mission की टिप्पणियां और हाल ही में संपन्न हुई review meeting of the Convention on Nuclear Safety (CNS) में भारत का प्रदर्शन इसका प्रमाण है और यह एईआरबी के कार्मिकों के निष्ठापूर्वक कार्य से संभव हो पाया है।

AERB' s regulatory competence is further reflected by effective and efficient safety review of lead unit of 700 MWe PHWR-KAPP-3 (which is operating at 90% power as part of phase -c commissioning), commissioning activity of Sodium filling in main vessel of PFBR, Proton Therapy unit (first with three Gantries) of ACTREC, Kharghar and Medical Cyclotron at VECC, Kolkata.

With the same vigour, AERB is carrying out safety review of other new projects under various stages of construction and commissioning.

Safety performance record of 22 operational NPPs, Industrial units of NFC, HWB, UCIL, IREL, ECIL and numerous radiation application facilities & activities spread all over the country is also testimony of the effective regulatory surveillance of AERB.

Besides political and financial independence, independence in technical competence is a major desired attribute for independent regulatory bodies owing to its significant impact on regulatory decision making.

इस तथ्य को समझते हुए, एईआरबी 2016 से Safety review process और नियामक निर्णय लेने में एईआरबी कर्मचारियों की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। मेरे लिए, यह एक सपना सच होने जैसा है, कि अब सभी Safety Committees में एईआरबी का 40 प्रतिशत से अधिक प्रतिनिधित्व है और कम से कम अध्यक्ष या उपाध्यक्ष सेवारत या पूर्व एईआरबी अधिकारी है।

संगठनात्मक उत्कृष्टता (organisational excellence) प्राप्त करने में कर्मचारियों की भागीदारी के योगदान की भूमिका को समझते हुए, एईआरबी ने संगठनात्मक माहौल (organizational climate) पर एक गुमनाम सर्वेक्षण करने की साहसिक पहल की है। टीम लीडरों के लिए पात्रता और चयन मानदंड

(eligibility and selection criteria) स्थापित करने के लिए एक और सर्वेक्षण आयोजित किया गया था क्योंकि संगठनात्मक माहौल को प्रभावित करने में टीम लीडरों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। दोनों सर्वेक्षणों को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और सर्वेक्षण से व्यक्तिगत स्तर पर और बाद में संगठनात्मक स्तर पर आत्मनिरीक्षण और सुधार के लिए तार्किक निष्कर्ष प्राप्त हुए हैं। इस क्षेत्र में कुछ और कार्यों की योजना बनाई गई है, as I firmly believe that the building blocks of an organisation are humans and investing in the building blocks will lead to a robust foundation and structures that can boldly withstand the future challenges.

प्रिय मित्रों, एक स्वतंत्र राष्ट्र की सबसे विशिष्ट विशेषता उसका संविधान है। हमारे संविधान निर्माताओं ने संरचित तरीके (structured manner) से आंतरिक कामकाज करने के महत्व को पहचाना और कानून बनाने, कानूनों को लागू करने और कानूनों पर निर्णय लेने के लिए संस्थान बनाए। Constitution also lays down the rights, the duties as well as provide generic guidelines in form of directive principles for the nation to aim for. यदि मैं एईआरबी की कार्यप्रणाली में इसकी तुलना कर सकूँ, तो यह एकीकृत प्रबंधन प्रणाली आईएमएस होगी। The IMS is to design the internal mechanism of AERB to discharge its functional mandate in accordance with its mission and vision. For this purpose, a set of organisational policies are formulated and strategies to implement the policies are made. Accordingly, the processes are formulated to discharge the

functional mandate by being governed by the organisational strategies. To implement the various processes, the organisational framework is developed which provides the flexibility to shape the organisational structure considering the various facilities and activities being regulated and also to cater to exigencies and future demands. The decision making is commensurate with the distribution of responsibilities and accountabilities to different hierarchy levels in the organisational structure. The implementation of IMS needs to be supervised independently for continual improvement. The approach for rearranging contents of IMS has been approved by the board. Accordingly, soon we will reorganise our organisational structure and select the appropriate team leaders based on criteria suggested by you in the survey.

आपको यह जानकर खुशी होगी, कि देश- विदेश के परमाणु ऊर्जा समुदायों में एईआरबी को आईएमएस कार्यान्वयन के क्षेत्र में एक प्रेरणाश्रोत के रूप में देखा जा रहा है।

मित्रों, एईआरबी इस नवंबर में 40 वर्ष पूर्ण करने की ओर अग्रसर है, जो किसी भी संगठन के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। ऊर्जा से भरपूर और परिपक्वता से संचालित, एईआरबी उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार है। इस शुभ दिन पर आइए हम एईआरबी के विकास और सम्मान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करें।

इन विचारों के साथ मैं अपना संबोधन समाप्त करता हूँ और एक बार पुनः सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

जय हिन्द